नईदुनिया

जनवरी-मार्च तिमाही में कुल बिक्री में सस्ते घरों की हिस्सेदारी घटकर 22 प्रतिशत पर

नई दिल्ली।
लक्जरी फ्लैटों की मजबूत मांग के बीच देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी-मार्च के दौरान कुल आवास बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी (जिनकी कीमत 45 लाख रुपये तक है) आधे से भी अधिक घटकर 22 प्रतिशत रह गई। कैलेंडर वर्ष 2023 की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आवास बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत थी।

हाउसिंग ब्रोकरेज फर्म प्रॉपटाइगर.कॉम के आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-मार्च 2024 के दौरान शीर्ष आठ शहरों में आवास की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़कर 1,20,640 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 85,840 इकाई थी।

महामारी के बाद महंगे घरों की बढ़ी बिक्री

जनवरी से मार्च के दौरान 1,20,640 आवास इकाइयों की कुल बिक्री में 25 लाख रुपये से कम कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत थी। पिछले साल इसी अवधि में इस श्रेणी के घरों की बिक्री की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत थी। जनवरी-मार्च 2024 के दौरान 25-45 लाख रुपये कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत थी, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में हिस्सेदारी 23 प्रतिशत थी।

प्रॉपटाइगर.कॉम ने अपनी त्रैमासिक रिपोर्ट रियल इनसाइट रेजिडेंशियल जनवरी-मार्च 2024 महामारी के बाद अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री बढ़ी है। 2024 की पहली तिमाही में एक करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाली संपत्तियों की हिस्सेदारी बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है, जो 2023 की समान अवधि में 24 प्रतिशत से काफी अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन अवधि में कुल बिक्री में 45-75 लाख रुपये कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत पर स्थिर रही। कुल बिक्री में 75 लाख से एक करोड़ रुपये की लागत वाले घरों की हिस्सेदारी इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 12 प्रतिशत थी।

शामिल हैं ये शहर

शीर्ष आठ शहर अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली- एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) और पुणे हैं। दिल्ली-एनसीआर में गाजियाबाद, फरीदाबाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और गुरुग्राम शामिल हैं। एमएमआर में मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

बीते वित्त वर्ष रिकार्ड 18 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ी, लक्ष्य के लिए बढ़ानी होगी कैपिसिटी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में रिकार्ड 18.48 गीगावाट की बढ़ोतरी की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के डाटा के अनुसार, इसमें पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 21 प्रतिशत की वृद्धि रही है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 15.27 गीगावाट की वृद्धि हुई थी। बढ़ानी होगी क्षमता उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को अगले छह वर्षों के दौरान सालाना कम से कम 50 गीगावाट क्षमता बढ़ानी होगी। डाटा के अनुसार, 31 मार्च 2024 को भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 143.64 गीगावाट हो गई है। जल विद्युत क्षमता नहीं है शामिल इसमें 47 गीगावाट की जल विद्युत क्षमता शामिल नहीं है। हाल ही में एक साक्षात्कार में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा कि हम समय से पहले 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तैयार करने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। आंकड़ों से पता चला कि 12.78जीडब्लू की सौर स्थापनाओं से 2023-24 में 15.27 जीडब्लू की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि हुई, इसके बाद 2.27 जीडब्लू पवन ऊर्जा हुई। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के बीच कुल सौर स्थापित क्षमता 81.81 गीगावॉट पर चार्ट में सबसे ऊपर है, इसके बाद लगभग 46 गीगावॉट पवन ऊर्जा, 9.43 गीगावॉट बायोमास सह-उत्पादन और 5 गीगावॉट लघु पनबिजली (प्रत्येक 25 मेगावाट क्षमता तक) है। बता दें राज्यों में गुजरात और राजस्थान में लगभग 27 गीगावॉट की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है, इसके बाद तमिलनाडु में लगभग 22 गीगावॉट, कर्नाटक में लगभग 21 गीगावॉट और महाराष्ट्र में लगभग 17 गीगावॉट है। हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश ने लगभग 11 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित की है।

सोना 72 हजार, चांदी 83 हजार के पार

नई दिल्ली। इस सप्ताह सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में इसके भाव भी तेजी के साथ कारोबार करने लगे। सोमवार को सोने के वायदा भाव 72 हजार और चांदी के वायदा भाव 83 हजार रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बाद में इनकी कीमतों में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 187 रुपये की तेजी के साथ 72,030 रुपये के भाव पर खुलकर 223 रुपये की तेजी के साथ 72,066 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 14 रुपये की गिरावट के साथ 8,2799 रुपये के भाव पर खुलकर 419 रुपये की तेजी के साथ 83,232 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,369.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

बायजू इंडिया के सीईओ अर्जुन मोहन ने दिया इस्तीफा, रविंद्रन खुद संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। बायजू इंडिया के सीईओ और संस्थापक बायजू रवींद्रन के विश्वासपात्र अर्जुन मोहन ने यह पद संभालने के छह महीने बाद कंपनी छोड़ दी है। यह एक महत्वपूर्ण शीर्ष-स्तरीय इस्तीफा है जो परेशान एडटेक फर्म को और संकट में डाल सकता है। हालांकि खबरों के अनुसार अर्जुन बाहरी सलाहकार के तौर पर बायजू को अपना सहयोग देते रहेंगे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कंपनी के संस्थापक रवींद्रन पिछले एक साल से कंपनी को परेशान करने वाली कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। कंपनी के एक बयान के अनुसार मोहन के जाने के बाद रवींद्रन थिंक एंड लर्न के तहत आने वाले भारतीय कारोबार के लिए दिन-प्रतिदिन के संचालन का नियंत्रण संभालेंगे। रवींद्रन लगभग चार साल बाद दैनिक मामलों के शीर्ष पर लौट रहे हैं। वह वर्तमान योजनाओं के अनुसार, नवीनतम बदलावों पर आंतरिक रूप से घोषणा कर सकते हैं। मोहन ने पिछले साल कंपनी के सीईओ के रूप में मृणाल मोहित की जगह ली थी। ये दोनों रवींद्रन के संस्थापक टीचिंग कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) के शुरुआती दिनों में पूर्व छात्र थे। सितंबर 2023 में मृणाल मोहित बायजू से जाने के बाद कंपनी ने अर्जुन मोहन को अपने भारतीय कारोबार का सीईओ बनाया था। अर्जुन मोहन जुलाई 2023 में बायजू से उसके इंटरनेशनल बिजनेस के सीईओ के तौर पर दोबारा जुड़े थे। इससे पहले वे बायजू के साथ करीब 11 सालों तक काम कर चुके थे। बाद में वे इंडिया बिजनेस के सीईओ के तौर पर अपग्रैड में चले गए थे। दिसंबर 2022 में उन्होंने से अपग्रैड से इस्तीफ दे दिया था। अर्जुन ने एजुकेटिंग ए बिलियन नामक किताब भी लिखी है।

टेस्ला के लिए सेमीकंडक्टर चिप बनाएगी टाटा

कंपनियों के बीच डील, भारत में इस महीने कार मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट का ऐलान कर सकती है टेस्ला

नई दिल्ली।

अब टेस्ला की सभी कारों के लिए सेमीकंडक्टर चिप टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बनाएगी। अमेरिकी इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरर टेस्ला ने इसके लिए टाटा के साथ स्ट्रैटेजिक डील साइन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस डील के तहत टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्ला के ग्लोबल सप्लाई के लिए चिप मैन्युफैक्चर करेगी।

यह डील ऐसे समय में हुई है जब टेस्ला के मालिक एलन मस्क भारत आने वाले हैं। मस्क प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलेंगे। सूत्रों के हवाले से बताया कि मस्क 22 से 27 अप्रैल के बीच भारत आ सकते हैं।

इस दौरान टेस्ला के मालिक भारत में कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने का ऐलान कर सकते हैं। मस्क ने ङ्क पोस्ट में लिखा- पीएम मोदी से मुलाकात का इंतजार है। उनकी यह पहली भारत यात्रा होगी। इससे पहले मस्क दो बार पीएम मोदी से मुलाकात कर चुके हैं।

कार मैन्युफैक्चरिंग और बैटरी स्टोरेज प्लांट लगाना चाहती है टेस्ला

3 अप्रैल को ब्रिटेन के फाइनेंशियल टाइम्स ने बताया था कि टेस्ला इस महीने भारत में एक टीम भेजेगी, जो देश में 2 से 3 बिलियन डॉलर (16 हजार करोड़ से 25 हजार करोड़) के इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए जगह की तलाश करेगी।

रिपोर्ट में बताया गया था कि इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए टीम का फोकस महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु जैसे ऑटोमोटिव हब वाले राज्यों पर होगा। इसकी वजह इन राज्यों के पोर्ट (बंदरगाह) हैं, जहां से कारों का एक्सपोर्ट आसान होगा।

टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कार के साथ बैटरी स्टोरेज सिस्टम भी बनाना और बेचना चाहती है। कंपनी ने इसके लिए भारतीय अधिकारियों के पास एक प्रपोजल दिया था।

भारत में 2-3 बिलियन डॉलर का निवेश करेंगे मस्क

एलन मस्क भारत में 2-3 बिलियन डॉलर का निवेश करने के प्लान की घोषणा करेंगे। टेस्ला न केवल भारत के लिए कारों की मैन्युफैक्चरिंग करना चाहती है, बल्कि यहां से उन्हें ग्लोबल मार्केट में एक्सपोर्ट भी करना चाहती है।

इसके अलावा मस्क भारत में जल्द ही सैटेलाइट बेस्ड ब्रॉडबैंड सर्विसेज भी शुरू कर सकते हैं। बताया कि स्टारलिंक के लिए रेगुलेटरी अप्रूवल्स फाइनल स्टेज में है और कंपनी को जल्द ही लाइसेंस मिलने की उम्मीद है।

सरकार की नई ईवी पॉलिसी से टेस्ला की एंट्री आसान हुई

एक महीने पहले भारत सरकार ने ईवी पॉलिसी में बदलाव किया था। नई पॉलिसी के अनुसार, कुछ मॉडल्स के इंपोर्ट पर इंपोर्ट ड्यूटी 100 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया था। इसके लिए निवेशकों को कम से कम 50 मिलियन डॉलर (करीब 4,172 करोड़) निवेश करना होगा। सरकार के इस नई पॉलिसी से लंबे समय से भारत में आने का रास्ता तलाश रही अमेरिकी बिजनेसमैन एलन मस्क की ईवी कंपनी टेस्ला के लिए भारत में एंट्री आसान हो गई।

सबसे सस्ती गाड़ी मॉडल 3 की कीमत अमेरिका में 40,000 डॉलर

टेस्ला की सबसे सस्ती गाड़ी मॉडल 3 की कीमत अमेरिका में 40,000 डॉलर है। एक बार चार्ज करने पर 263 किलोमीटर तक जा सकती है। इसमें पांच लोगों के बैठने की जगह है। टॉप स्पीड 140 किलोमीटर प्रति घंटा है। 5.3 सेकेंड में 60 मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। मॉडल वाय सात सीट वाली गाड़ी है। इसकी कीमत अमेरिका में 54,000 डॉलर है। यह एक बार चार्ज होने पर 326 किलोमीटर तक जा सकती है। इसकी टॉप स्पीड 135 किलोमीटर प्रति घंटा है। 4.8 सेकेंड में 60 मील प्रति घंटे की स्पीड में आ सकती है।

अब इंडोनेशिया में चलेगी भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली।
भारत पहले दूसरे देशों पर निर्भर रहता था लेकिन कुछ सालों से भारत में रक्षा उपकरण से लेकर कई क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल कर ली है और अब कई देश में बनी चीजें एक्सपोर्ट कर रहा है। वहीं भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार अब इंडोनेशिया में चलती नजर आएगी क्योंकि भारत ने यह कार इंडोनेशिया को एक्सपोर्ट की है।

भारत निर्मित सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार इंडोनेशिया में एक्सपोर्ट की गई है। यह दुनिया में स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती इलेक्ट्रिक कारों की खरीद को प्रोत्साहित करने में एक महत्वाकांक्षी कदम साबित होगा। सिट्रोन ने कहा है कि यह कदम मेक इन इंडिया की पहल के अनुरूप है। भारत में तैयार की गई ई-सी3 का पहला बैच इंडोनेशिया एक्सपोर्ट किया गया है।

कंपनी के सीईओ और एमडी ने कहा कि भारत न केवल एक रणनीतिक बाजार है, बल्कि वाहनों, घटकों और प्रौद्योगिकियों, कंपोनेंट और मोबिलिटी टेक्नोलॉजी के लिए एक प्रमुख सोर्सिंग का केंद्र भी है। यह मेक इन इंडिया सिट्रोन ईसी3 भारतीय-फ्रांसीसी औद्योगिक सहयोग की ताकत का प्रतीक है। असल में सिट्रोन ईसी3 को विदेशों में एक्सपोर्ट करने की पहल के साथ ही भारत-फ्रांसीसी देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी बढ़ेगी।

उन्होंने आगे कहा कि सिट्रोन ईसी3 भारतीय बाजार में भी सफल होगी। पिछले साल हजारों कारें बिकीं है। अब पहली खेप इंडोनेशिया के लिए बनाई जा रही है। आसियान देशों को मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात के लिए लक्षित किया जा रहा है। किफायती कीमतों पर ग्रीन मोबिलिटी साल्यूशन प्रदान करने के लिए हमने यह पहल की है।

एडटेक फर्म अपग्रेड ने प्रदान की 55 हजार नौकरियां

मुंबई।

एडटेक और स्किलिंग कंपनी अपग्रेड ने सोमवार को वित्त वर्ष 24 में 55 हजार लोगों को रोजगार प्रदान करने की जानकारी दी।

कंपनी ने कहा, इनमें लगभग तीन हजार राष्ट्रीय और वैश्विक कंपनियों में नई नौकरियां, करियर स्विच और पदोन्नति शामिल हैं। इसमें वार्षिक सीटीसी 4.5 एलपीए की बेसलाइन से लेकर अधिकतम 1.80 करोड़ रुपये तक हैं।

कंपनी ने मुख्य रूप से मार्केटिंग, डेटा और टेक डोमेन में देखी गई और लगभग 50 प्रतिशत नियुक्तियां मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई में की गईं। इसके बाद पुणे, कोलकाता, हैदराबाद, नोएडा, गुड़गांव, अहमदाबाद, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु में हायरिंग की। महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें लगभग दो-तिहाई महिला प्रोफेशनल हैं। दिलचस्प बात यह है कि जेनएआई, डेटा, एआई/एमएल और प्रौद्योगिकी में अपग्रेड के मुफ्त पाठ्यक्रमों में 1.4 लाख से अधिक नामांकन हुए।

अपग्रेड के सह-संस्थापक और एमडी मयंक कुमार ने कहा, हमने विभिन्न विषयों के साथ एक ठोस और एकीकृत शिक्षण व्यवस्था बनाई है। शिक्षार्थियों के बेहतर करियर लिए इसे पुनर्गठित किया गया है। नए लोगों, पहली बार नौकरी चाहने वालों, मध्य और वरिष्ठ पेशेवरों को नौकरियों में रियल टाइम पर लाभ के लिए व्यावहारिक कौशल हासिल करने के लिए कई हफ्तों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा, हमने एक मास्टर शिक्षाशास्त्र विकसित किया है, जिसका अब विस्तार किया जाएगा। वित्त वर्ष 24 में, अपग्रेड की एंटरप्राइज शाखा ने लगभग छह लाख कॉर्पोरेट पेशेवरों को प्रशिक्षित किया।

लोकसभा चुनाव से पहले आलू-प्याज की थोक कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक का इजाफा, डब्ल्यूपीआई मार्च में 0.53 प्रतिशत पर

नई दिल्ली।

थोक महंगाई दर मार्च महीने में मामूली रूप से बढ़कर 0.5 प्रतिशत हो गई है, यह पिछले महीने में 0.2 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। वाणिज्य मंत्रालय के जारी आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर मार्च में बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी।

आलू-प्याज की कीमतों में मार्च में 50 प्रतिशत से अधिक का इजाफा

थोक प्याज की कीमतें फरवरी में 29.22 प्रतिशत बढ़ी थीं जो मार्च में 56.99 प्रतिशत तक बढ़ गईं। भारत को अगली खरीफ फसल की कटाई तक प्याज की आपूर्ति में बड़ी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच, आलू के थोक मूल्य सूचकांक मार्च में 52.96 प्रतिशत बढ़े जबकि फरवरी में इसमें 15.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले मार्च महीने में प्याज की थोक कीमतों में 36.83 प्रतिशत और आलू में 25.59 प्रतिशत की गिरावट आयी थी।

थोक खाद्य मुद्रास्फीति में सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत का इजाफा

मार्च, 2024 के महीने के लिए डब्लूपीआई सूचकांक में महीने-दर-महीने का परिवर्तन फरवरी, 2024 की तुलना में 0.40 प्रतिशत रहा। थोक खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़ने के बाद मार्च में 4.7 प्रतिशत तक बढ़ गई। वहीं, मासिक आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में 0.11 प्रतिशत बढ़ने के बाद मार्च में 1.01 प्रतिशत बढ़ी।

ईंधन और बिजली की थोक कीमतों में देखी गई कमी

मार्च, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, मशीनरी और उपकरण और अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की थोक मुद्रास्फीति मार्च में 4.87 प्रतिशत बढ़ी जबकि पिछले साल इसी महीने में इसमें 1.19 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वहीं ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति मार्च में शून्य से 0.77 प्रतिशत घटी।

इमामी समूह के निदेशक बोले- देश में काम करने के पर्याप्त अवसर, लगातार मेहनत दिलाएगी सफलता

नई दिल्ली।

इमामी एक भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है। कंपनी का विस्तार एफएमसीजी, रियल एस्टेट और स्वास्थ्य देखभाल समेत कई क्षेत्रों में है। 34,000 करोड़ रुपये की कंपनी 60 से अधिक देशों में अपने उत्पाद बेचती है। देश में इसके उत्पाद 45 लाख खुदरा दुकानों में उपलब्ध हैं। 70 के दशक में शुरू हुई इस कंपनी की नींव दो दोस्तों राधेश्याम अग्रवाल और राधेश्याम गोयनका ने रखी थी। 50 साल की यह यात्रा कैसी रही और क्या चुनौतियां आईं, इस पर समूह के निदेशकों आदित्य वी अग्रवाल और मनीष गोयनका से राहुल कांकरिया की खास बातचीत... इमामी ग्रुप ने हाल ही में अपनी 50वीं सालगिरह मनाई। इस यात्रा में सबसे मूल्यवान सीख क्या रही वर्षों की यात्रा का वर्णन इतने कम शब्दों में करना मुश्किल है, लेकिन हमारी सबसे बड़ी सीख यही रही कि लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। यही सफलता का मूलमंत्र है। इसके अलावा, खुद को सबसे आगे रखने के लिए आपको गुणवत्ता पर जोर देना होगा। 50 साल की इस यात्रा में हमने अपने बुजुर्गों से एकजुट होकर काम करना सीखा। उन्होंने हमें सबसे बड़ी चीज सिखाई कि आपस में विचार-विमर्श होंगे तो मतभेद भी होंगे, लेकिन कभी मनभेद नहीं होना चाहिए। यही हमारी तरक्की का सबसे बड़ा स्तंभ है। हमलोगों ने हमेशा इस बात का ध्यान रखा कि हालात चाहे जैसे भी हों, कभी कोई गलत रास्ता नहीं चुनना है। दूरदर्शिता के साथ सबको साथ लेकर चलने की सीख इतने बड़े समूह को चलाने की हमारी यात्रा को आसान करती गई। इसके अलावा, कई बार आपको मजबूत फैसले लेने पड़ते हैं। विकास के नए अवसर खोजने और भविष्य को

आकार देने में साझेदारी की क्या महत्ता है केपीएमजी, ईएंडवाई और मैकेंजी जैसी कंपनियों को हमने जोड़कर रखा है। यह हमारे समूह के लिए सीखने का मजबूत जरिया है। इन कंपनियों के पास देश-विदेश में चल रहे कारोबारी गतिविधियों की जानकारी होती है। ऐसी सूचनाएं भी हमारे लिए भविष्य के नए अवसर खोजने में मदद करती हैं। मैकेंजी हमारी फूड प्रोडक्ट कंपनी इमामी एग्रो डिवीजन में विशेष कंसल्टेंसी कर रही है। समूह के पास उपभोक्ता सूची में नवीनता की विरासत है। आगे कौन से उत्पाद आएंगे इमामी हर समय ग्राहकों की प्रसन्नता वाले उत्पाद पर फोकस कर अपने नए उत्पाद बाजार में लाती है। फेयर एंड हैंडसम एक उदाहरण है। हम लोग हर समय कुछ नया करने का प्रयास करते हैं। आगे भी हम ऐसे नए उत्पाद लोगों के बीच लेकर आएंगे। किन-किन क्षेत्रों में नए अवसर देख रहे हैं भारत अपने आप में बहुत बड़ा अवसर है और यह लगातार बढ़ता जा रहा है। हमें खुशी है कि अपने देश में हमारे पास इतने मौके हैं। अगर हम आज की क्षमता के हिसाब से भी इन अवसरों को भुनाएं तो हमारी तरक्की की रफ्तार दोगुनी से ज्यादा बढ़ सकती है। अभी हम खाद्य तेल के क्षेत्र में दक्षिण भारत में नहीं हैं। धीरे-धीरे वहां जाएंगे। हम 70 से ज्यादा देशों में मौजूद हैं। हमारे उत्पाद अफ्रीका, पश्चिम एशिया और अन्य पड़ोसी देशों में लोकप्रिय हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हमारे कुछ उत्पाद तो नंबर-1 और नंबर-2 पर हैं। परंपरागत और आधुनिक व्यापार गतिविधियों में इमामी कैसे संतुलन बनाए रखती है कोई भी मूल्य परंपरागत या आधुनिक नहीं होते हैं। उनकी परिभाषा सिर्फ उनके शब्दों से बदल जाती है। हमारे जीवन के मूल्य हजारों साल से एक जैसे हैं। जैसे...सच बोलना चाहिए। बड़ों का सम्मान करना चाहिए। ये समय, काल और परिस्थितियों के आधार पर बदल नहीं सकते। इसी प्रकार, बिजनेस के मूल्य भी वैसे ही रहते हैं। वे बदल नहीं सकते।अंतरराष्ट्रीय बाजार में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा कंपनी 1974 में शुरू हुई। 1982-83 में रूस में हम बड़े स्तर पर निर्यात करते थे। इस दौरान समझ में आया कि अन्य देशों में काम करने के लिए वहां के सिस्टम, प्रोटोकॉल और अन्य कई प्रक्रियाओं का पालना करना पड़ता है। देश विशेष टीम अपने-अपने क्षेत्र में सपोर्टिव रहती है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 43/आर-3 स्नेह नगर रोड, गोपालगंज सागर (म.प्र.) - 470001 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक : डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक : अपूर्व तिवारी। *
भोपाल कार्यालय फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com(* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. MPHIN/2015/61503, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017